

भारत सरकार  
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय  
लोक सभा  
तारांकित प्रश्न सं. 262  
07 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए  
गुरुग्राम में शहरी अवसंरचना संबंधी समस्याएँ

†\*262. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा:

क्या आवासन और शहरी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या गुरुग्राम देश का एक प्रमुख कॉर्पोरेट केंद्र होने के बावजूद जलभराव और अवसंरचना संबंधी अन्य गंभीर शहरी समस्याओं का सामना कर रहा है;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ग) सरकार द्वारा इन समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और
- (घ) विगत पाँच वित्तीय वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान बुनियादी सेवाओं और नागरिक सुविधाओं में सुधार हेतु गुरुग्राम में शहरी नागरिक अवसंरचना हेतु आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि का व्यौरा क्या है?

उत्तर  
आवासन और शहरी कार्य मंत्री  
(श्री मनोहर लाल)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

## विवरण

"गुरुग्राम में शहरी अवसंरचना संबंधी समस्याएं" के संबंध में दिनांक 07 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या 262 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): जल एवं स्वच्छता राज्य के विषय हैं। इसके अतिरिक्त, संविधान की 12वीं अनुसूची के अनुसार, नगर नियोजन सहित शहरी नियोजन, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) / शहरी विकास प्राधिकरणों का कार्य है। भारत सरकार योजनाबद्ध कार्यक्रमों/परामर्शिकाओं के माध्यम से राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है और शहरी ईकोसिस्टम को सशक्त बनाने के लिए राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता भी प्रदान करती है।

राज्य सरकार ने सूचित किया है कि गुरुग्राम शहर में भारी बारिश के दौरान जलभराव की घटनाओं को छोड़कर किसी भी प्रमुख नागरिक बुनियादी ढांचे से संबंधित समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है। राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया है कि गुरुग्राम की टोपोग्राफी अनोखी है, जिसमें पूर्व में अरावली की पहाड़ियाँ और उत्तर-पश्चिम में नजफगढ़ का नाला है। गुरुग्राम शहर के दक्षिण-पूर्व में नजफगढ़ के नाले और अरावली की पहाड़ियों की ऊँचाई के बीच लगभग 78 मीटर का अंतर होने के कारण जल प्रवाह के लिए एक प्राकृतिक ढलान बन गई है, जिसे ऐतिहासिक रूप से 19वीं शताब्दी के अंत में निर्मित चक्रपुर, झारसा, वजीराबाद और घाटा पुश्तों की एक श्रृंखला के माध्यम से नियंत्रित किया गया था। हालांकि, तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण कई पुश्ते समाप्त हो गए हैं और तालाबों का नेटवर्क कम हो गया है, जिससे परम्परागत जल निकासी प्रणाली प्रभावित हो रही है। वर्ष 2019 में लगभग 90 स्थानों की पहचान की गई, जहां जलभराव की गंभीर समस्या थी। ये स्थान 2024 में घटकर 30 रह गए हैं। इसके लिए नालियों में वर्षा जल की निकासी, नालियों को नालों से जोड़ने की लिए बेहतर कनेक्टिविटी, नालों से गाद निकालने, नालों के विस्तार और पुनर्निर्माण, चेकडैम के निर्माण, सड़क के पानी को खाड़ियों में पहुंचाने के लिए जल चैनलों के निर्माण और प्राकृतिक खाड़ियों के पुनरुद्धार आदि जैसे विभिन्न उपाय किए गए हैं। आगे किए गए उपायों में नरसिंहपुर (एनएच-48), खांडसा चौक (हीरो होंडा चौक से सेक्टर-10 डिपो), ताऊ देवी लाल स्टेडियम (सेक्टर 38), और सेक्टर 17/18 आदि में बड़े वर्षा जल नालों का निर्माण किया जाना शामिल

है, ताकि वर्षा जल प्रबंधन में सुधार तथा जलभराव की समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान किया जा सके।

गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) ने भी जलभराव की समस्या का समाधान करने के लिए कई उपाए किए हैं, जिनमें 544 किलोमीटर लंबे नालों की सफाई, 141 हैवी ड्यूटी पंप और 77 सक्षण टैंकर लगाना शामिल है। जीएमडीए/एमसीजी, जलभराव की समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करने और राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार और एनएचएआई के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करते हैं। गुरुग्राम शहर की व्यापक जल निकासी योजना तैयार करने के लिए समस्याग्रस्त क्षेत्रों, मौजूदा जल निकासी व्यवस्था में आने वाली बाधाओं के समाधान के लिए अध्ययन और उन्हें चिह्नित करने के लिए एक परामर्शदाता की नियुक्ति की गई है।

राज्य ने यह भी सूचित किया है कि 2025 में शहर की जल मांग लगभग 720 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) है, जिसकी पूर्ति पूरी तरह से नहर-आधारित (670 एमएलडी) और ट्यूबवेल-आधारित (50 एमएलडी) स्रोतों से की जाती है। राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, शहर द्वारा उत्पन्न सीधेज का शोधन मौजूदा सीधेज शोधन संयंत्र (एसटीपी) से 408 एमएलडी और निजी एसटीपी (90 एमएलडी) के माध्यम से किया जाता है। इसके अलावा, वर्ष 2031 तक भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए 562 एमएलडी एसटीपी/सीईटीपीएस का विकास कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है।

जीएमडीए/एमसीजी द्वारा विकास के लिए कुल 285 किलोमीटर सड़कों की पहचान की गई है, जिनमें से 185 किलोमीटर सड़कों का पुनर्निर्माण किया जा चुका है, जिनमें पिछले 12 महीनों में बनी 100 किलोमीटर सड़कें शामिल हैं। यातायात की भीड़भाड़ को कम करने के लिए, जीएमडीए/एमसीजी द्वारा 14 ग्रेड सेपरेटर (फ्लाईओवर/अंडरपास) बनाकर तैयार किए जा चुके हैं और 10 अन्य योजना के विभिन्न चरणों में हैं। गुरुग्राम में मेट्रो नेटवर्क की कुल परिचालन लंबाई 19.904 किलोमीटर है। इसके अलावा, मिलेनियम सिटी सेंटर (एमसीसी) से साइबर सिटी तक 28.5 किमी का मेट्रो कॉरिडोर, साथ ही गुरुग्राम में बसई गांव से सेक्टर 101 तक एक रास्ते को हाल ही में भारत सरकार द्वारा 5,452.72 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृति दी गई है।

राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, पिछले पांच वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान गुरुग्राम में बुनियादी सेवाओं और नागरिक सुविधाओं के लिए शहरी नागरिक बुनियादी ढांचे के लिए जारी और उपयोग की गई निधियों का व्यौरा अनुलग्नक-1 में दिया गया है।

भारत सरकार अपने विभिन्न मिशनों/योजनाओं जैसे कि अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) और अमृत 2.0 तथा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) आदि के माध्यम से नागरिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार की सहायता करती है। इस योजना के अंतर्गत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) को मिशन दिशा-निर्देशों के व्यापक फ्रेमवर्क में परियोजनाओं का चयन, डिजाइन, अनुमोदन, प्राथमिकता निर्धारण और कार्यान्वयन करने का अधिकार दिया गया है।

वर्ष 2015 में गुरुग्राम सहित चयनित 500 शहरों में अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) शुरू किया गया, जिसमें जल आपूर्ति, सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन, वर्षा जल निकासी, हरित क्षेत्र और पार्क आदि क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया गया। अमृत 2.0 को 01 अक्टूबर 2021 को सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी)/शहरों में शुरू किया गया, जिससे शहर 'आत्मनिर्भर' और 'जल सुरक्षित' बन सकें। 500 अमृत शहरों में सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन की सार्वभौमिक कवरेज प्रदान करना अमृत 2.0 के प्रमुख कार्य क्षेत्रों में से एक है।

अमृत के अंतर्गत, गुरुग्राम शहर ने 19.55 करोड़ रु. की एक सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन परियोजना और 0.82 करोड़ रु. की एक हरित क्षेत्र एवं पार्क परियोजना शुरू की है। अमृत मिशन के अंतर्गत और राज्य के साथ तालमेल करते हुए 26,718 सीवर कनेक्शन (नए/ठीक किए गए) (मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (एफएसएसएम) के माध्यम से शामिल किए गए परिवारों सहित) दिए गए और अमृत के अंतर्गत 0.69 एकड़ हरित क्षेत्र विकसित किया गया है। अमृत 2.0 के अंतर्गत, अब तक गुरुग्राम जिले ने 5,035 नए/चालू नल कनेक्शनों की सर्विस को शामिल करते हुए 15.05 करोड़ रु. की एक जलापूर्ति परियोजना शुरू की है।

अमृत और अमृत 2.0 के अंतर्गत निधियां राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आवंटित की गई थीं, न कि शहर-वार और वर्ष-वार।

“गुरुग्राम में शहरी अवसंरचना संबंधी समस्याएं” के संबंध में दिनांक 07.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न 262\* के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-।

गुरुग्राम में पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वित्त वर्ष के दौरान बुनियादी सेवाओं और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जारी और उपयोग की गई निधियों का व्यौरा

i. गुरुग्राम नगर निगम विकास प्राधिकरण, गुरुग्राम

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष	जारी की गई निधियां (प्राप्तियां)	नागरिक सुविधाओं पर उपयोग की गई निधियां (व्यय)
1	2020-21	219	412
2	2021-22	558	525
3	2022-23	1036	739
4	2023-24	629	794
5	2024-25	1779	890
6	2025-26 (चालू वित्त वर्ष)	778	242
कुल		4999	3602

ii. नगर निगम, गुरुग्राम

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष	जारी की गई निधियां (प्राप्तियां)	नागरिक सुविधाओं पर उपयोग की गई निधियां (व्यय)
1	2020-21	58.57	58.57
2	2021-22	44.84	44.84
3	2022-23	41.93	41.93
4	2023-24	32.01	32.01
5	2024-25	46.82	46.82
6	2025-26 (चालू वित्त वर्ष)	6.65	6.65
कुल		230.82	230.82